Gupta period (part -5)

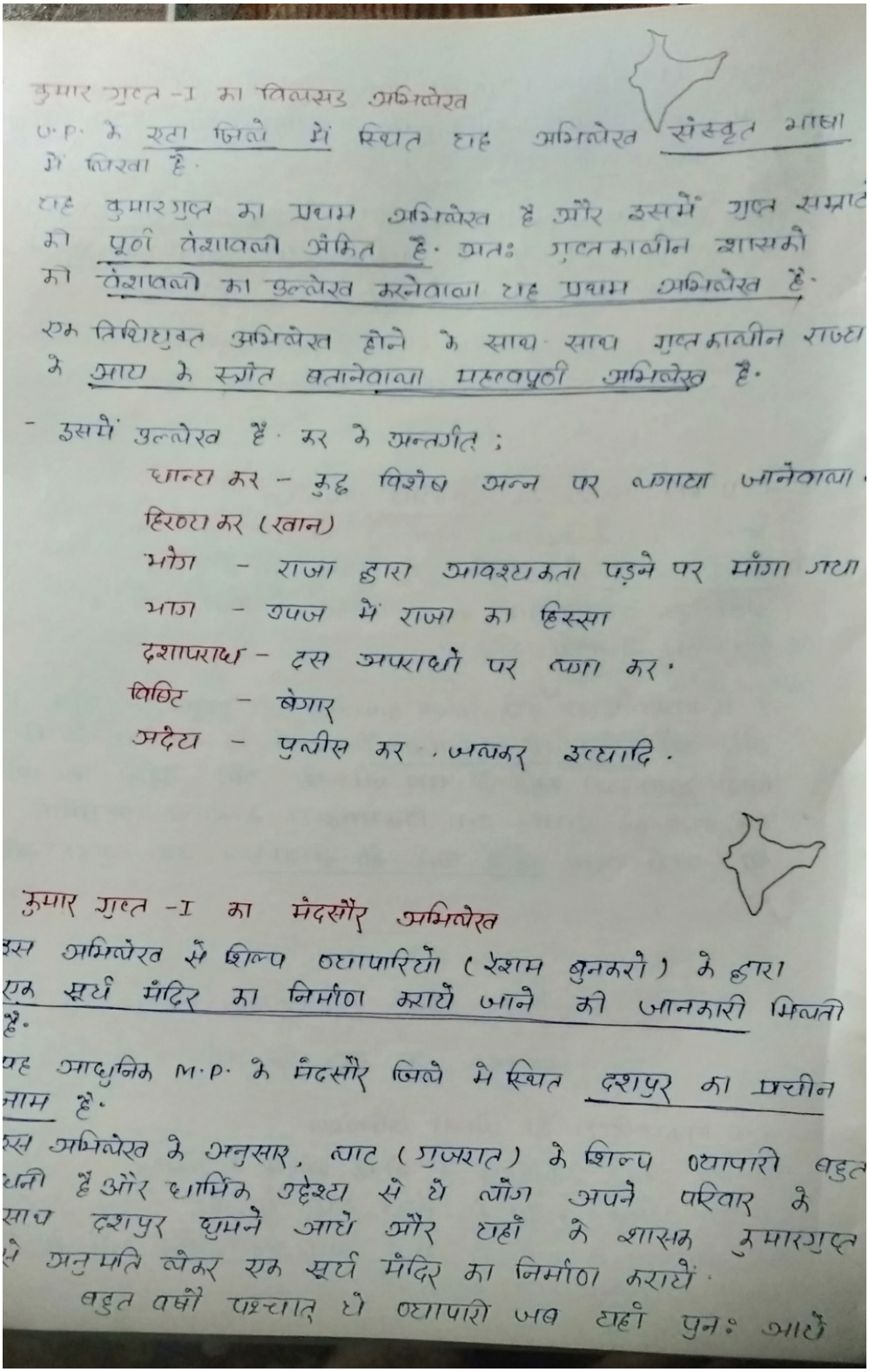

कुमार गुप्त -I का बिलसड अभिलेख

U.P. के एटा जिले में स्थित यह अभिलेख संस्कृत भाषा में लिखा है.

यह कुमारगुप्त का प्रथम अभिलेख है और इसमें गुप्त सम्राटों की पूर्ण वंशावली अंकित है. अतः गुप्तकालीन शासकों की वंशावली का उल्लेख करनेवाला यह प्रथम अभिलेख है.

एक तिथियुक्त अभिलेख होने के साथ साथ गुप्तकालीन राज्य के आय के स्रोत बतानेवाला महत्वपूर्ण अभिलेख है.

- इसमें उल्लेख है कर के अन्तर्गत ;

  धान्य कर - कुछ विशेष अन्न पर लगाया जानेवाला.
  हिरण्य कर (खान)
  भोग - राजा द्वारा आवश्यकता पड़ने पर माँगा गया
  भाग - उपज में राजा का हिस्सा
  दशापराध - दस अपराधों पर लगा कर.
  विष्टि - बेगार
  अदेय - पुलीस कर, जलकर इत्यादि.

कुमार गुप्त -I का मंदसौर अभिलेख

इस अभिलेख से शिल्प व्यापारियों (रेशम बुनकरों) के द्वारा एक सूर्य मंदिर का निर्माण कराये जाने की जानकारी मिलती है.

यह आधुनिक M.P. के मंदसौर जिले मे स्थित दशपुर का प्राचीन नाम है.

इस अभिलेख के अनुसार, लाट (गुजरात) के शिल्प व्यापारी बहुत धनी है और धार्मिक उद्देश्य से ये लोग अपने परिवार के साथ दशपुर घुमने आये और यहाँ के शासक कुमारगुप्त से अनुमति लेकर एक सूर्य मंदिर का निर्माण कराये.

बहुत वर्षों पश्चात ये व्यापारी जब यहाँ पुनः आये

तो उस समय यहाँ पर बंधुवर्मन का शासन थी। इस दौरान मंदिर का पुर्ननिर्माण कराया गया। इस महान में मालव या विक्रम संवत का प्रयोग हुआ है।

इस अभिलेख के रचनाकार वत्स भट्टी थे। साहित्यिक क्षे की दृष्टि से इलाहाबाद स्तंभ लेख के बाद इसका महत्व स्थान है।

3 कुमारगुप्त-I का दामोदरपुर (W.B.) ताम्र पत्र

यह संस्कृत भाषा तथा गुप्त लिपि का अभिलेख है जो भूमि हस्तांतरण का उल्लेख करता है।

3 स्कंदगुप्त का जूनागढ़ अभिलेख

भाषा - संस्कृत
लिपि - गुप्त तथा ब्राह्मी लिपि।
लेख - विष्णु स्तुति से प्रारंभ।
प्रमुख विषय - सुदर्शन झील

गुजरात के गुप्तकालीन गवर्नर 'पर्णदत्त' के पुत्र चक्रपालित ने मौर्यकालीन सुदर्शन झील का पुर्ननिर्माण कराया था।

Cont .....